Need to take action to carry out repair works on the Gandhi Setu in Bihar

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार) **:** माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, बिहार के ऐतिहासिक एवं भारत के लम्बे पुलों में गांधी सेतु भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। यह पुल उत्तर एवं दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला एकमात्र पुल है, जो गंगा नदी पर है। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर बना हुआ है। इसकी लम्बाई 5.5 किलोमीटर है। आज के दिन इस पुल की हालत बहुत ही खराब है। वर्ष 2001 से इस पुल का काम टुकड़ों में चल रहा है। कुछ साल पहले केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के विशेषज्ञों ने टुकड़ों में इसकी मरम्मत कार्य के बदले एकमुश्त मरम्मत कार्य करने का सुझाव दिया गया था, लेकिन अब तक इस पर कोई कार्य नहीं हुआ है। हालत यह है कि पुल बहुत खराब हो चुका है।

गांधी सेतु की पश्चिमी लेन पहले से ही बाधित है, जबकि पूर्वी लेन के 34 और 35 नम्बर स्पैन में झुकाव आ गया है। इस वर्ष मई माह में 38, 39, 40, 41, और 42 नम्बर स्पैन में भी झुकाव आ चुका है। इसके चलते पूरे सेतु पर 10 और उससे अधिक चक्के वाले वाहनों पर रोक लगा दी गई है। किसी भी समय उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार का सम्पर्क टूट सकता है। मेरा अनुरोध है कि सरकार इस पर अपना ध्यान दे, जिससे उत्तरी बिहार एवं दक्षिणी बिहार का सम्पर्क न टूटे और लोगों की आमदोरफ्त बनी रहे।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) **:** महोदय, मैं इनके विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) **:** महोदय, मैं भी इनके विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SATYANARAYAN JATIYA): Shrimati Wansuk Syiem; not present. Shrimati Jharna Das Baidya; not present. Dr. V. Maitreyan; not present. Shrimati Sarojini Hembram; not present. Shrimati Manorama D. Sharama.

Nedd for Central assistance for construction of a dam on Saung river to provide drinking water in Deharadun, Uttarakhand

श्रीमती मनोरमा डी. शर्मा (उत्तराखंड) **:** महोदय, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही पीने के पानी की समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार एक विशाल बांध बानने जा रही है, जिससे पेयजल के साथ ही सिंचाई की समस्या भी दूर होगी तथा प्रदेश को इससे अतिरिक्त बिजली भी मिलेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और बाढ़ सुरक्षा में राहत भी मिलेगी।

प्रदेश के सिंचाई विभाग के अनुसार देहरादून शहर एवं उसके आसपास के गांवों में बढ़ते जा रहे गंभीर पेयजल संकट से निपटने के लिए शहर से 25 किलोमीटर दूर देहरादून एवं टिहरी जिले की सीमा पर स्थित मालदेवता के पास सौंग नदी पर 148 मीटर ऊंचा और 5 किलोमीटर लम्बा एक बहुउद्देशीय बांध बनाने का विचार है, जिस पर लगभग 534 करोड़ रुपये खर्च होने का